NEWS CLIPPING: 23.01.2021

THE TRIBUNE

WORKSHOP ON RESEARCH ARTICLES

Faridabad: The Department of Computer Engineering and Pt Deen Dayal Upadhyay Central Library of JC Bose University of Science and Technology, YMCA here organised a workshop on writing quality research articles in scholarly publications. The core objective of the workshop was to equip the research scholars with a set of skills and potentiality to undertake the research and publish it effectively. The workshop was attended by over 150 participants consisting of faculty members, Ph D scholars and M Tech students of the university. Detailing about the workshop, Prof Komal Kumar Bhatia of the department said the university was promoting research, innovation and entrepreneurship so that the outcomes of the same benefit the society. He stressed upon the need of exploring technological development opportunities in new application areas. He also added that scholars should strive for publications in SCI and Scopus indexed or other reputed indexed journals. Dr PN Bajpai explained the e-resources provided by the library. He updated the students about how to access e-library portal and other information resources. He told the scholars that they could contact the library for any kind of research support they need.

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

HINDUSTAN

छात्रों को लेखन कौशल के बारे में जानकारी दी

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी की ओर से शुक्रवार को गुणात्मक शोध लेखन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का आयोजन शोधकर्ताओं के अनुसंधान कौशल और क्षमताओं में सुधार लाने उद्देश्य से किया गया। इस कार्यशाला में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें संकाय सदस्य, पीएचडी स्कॉलर और विश्वविद्यालय के एमटेक छात्र शामिल रहे। कार्यशाला की उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने छात्रों के लिए शोध के महत्व, गुणवत्ता पत्रिकाओं में इसके प्रकाशन, और कार्य का विस्तार, उचित समय प्रबंधन और अनुसंधान नैतिकता को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभव है। इसके बाद कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवोन्मेष और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है।

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

PUNJAB KESARI

ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभवः प्रो. दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 22 जनवरी, फरीदाबाद (पूजा शर्मा) जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों के लिए गुणात्मक शोध लेखन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन शोधकर्ताओं के अनुसंधान कौशल और क्षमताओं में सुधार लाने उद्देश्य से किया गया ताकि अनुसंधान को प्रभावी ढंग से प्रकाशित किया जा सके। कार्यशाला में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें संकाय सदस्य, पीएचडी स्कोलर और विश्वविद्यालय के एमटेक विद्यार्थी शामिल रहे।

कार्यशाला की उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की और उन्होंने विद्यार्थियों के लिए शोध के महत्व, गुणवत्ता पत्रिकाओं में इसके प्रकाशन, और कार्य का विस्तार, उचित समय प्रबंधन और अनुसंधान

गुणात्मक शोध लेखन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

नैतिकता को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभव है। उन्होंने कार्यशाला आयोजन के लिए आयोजन समिति के प्रयासों की भी सराहना की। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवोन्मेष और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है ताकि शोध परिणामों का लाभ समाज तक पहुंचे। उन्होंने नए अनुप्रयोग क्षेत्रों में तकनीकी विकास के अवसरों की खोज करने पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि शोधकर्ताओं को एससीआई और स्कोपस इंडेक्सया अन्य प्रतिष्ठित इंडेक्स पत्रिकाओं में प्रकाशन के लिए प्रयास करना चाहिए। लाइब्रेरियन डॉ. पी. एन. बाजपेयी ने विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा उपलब्ध कराए गए ई-संसाधनों के बारे में बताया। उन्होंने ई-लाइब्रेरी पोर्टल और अन्य सूचना संसाधनों का उपयोग करने के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया। डॉ. पारुल गुप्ता ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर जानकारी दी और बताया कि कार्यशाला में प्रदान जानकारी किस तरह से सभी प्रतिभागियों के शोध कार्यों में सुधार ला सकता है। सत्र के समापन पर श्रुति शर्मा के धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat,23 January 2021
Edition: faridabad kesari, Page no. 1

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

DAINIK BHASKAR

ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभव है : कुलपति प्रो. दिनेश

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में गुणात्मक शोध लेखन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका आयोजन शोधकर्ताओं के अनुसंधान कौशल और क्षमताओं में सुधार लाने के उद्देश्य से किया गया। जिससे अनुसंधान को प्रभावी ढंग से प्रकाशित किया जा सके। कार्यशाला में 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें संकाय सदस्य, पीएचडी स्कालर और विश्वविद्यालय के एमटेक विद्यार्थी शामिल हुए। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने विद्यार्थियों के लिए शोध के महत्व, गुणवत्ता पत्रिकाओं में इसके प्रकाशन और कार्य का विस्तार, उचित समय प्रबंधन और अनुसंधान नैतिकता को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभव है।

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

DAINIK JAGRAN

'ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसांधान से संभव'

पराक्रम दिवस के रूप में मनेगी नेताजी की 125वीं जयंती, कोरोना संक्रमण को देखते हुए यूजीसी ने लिया है फैसला

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) विश्वविद्यालय के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा गुणात्मक शोध लेखन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन शोधकर्ताओं के अनुसंधान कौशल और क्षमताओं में सुधार लाने उद्देश्य से किया गया। इसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की और उन्होंने विद्यार्थियों के लिए शोध के महत्व, गुणवत्ता पत्रिकाओं में इसके प्रकाशन, और कार्य का विस्तार, उचित समय प्रबंधन और अनुसंधान नैतिकता को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभव है। कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग के अध्यक्ष प्रो. कोमल कुमार भाटिया ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुसंधान, नवोन्मेष और उद्यमशीलता को बढ़ावा दे रहा है, ताकि शोध परिणामों का लाभ समाज तक पहुंचे। उन्होंने नए अनुप्रयोग क्षेत्रों में तकनीकी विकास के अवसरों की खोज करने पर बल दिया।

लाइब्रेरियन डा.पीएन बाजपेयी ने विश्वविद्यालय की सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा उपलब्ध कराए गए ई-संसाधनों के बारे में बताया। उन्होंने ई-लाइब्रेरी पोर्टल और अन्य सूचना संसाधनों का उपयोग करने के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया।

कार्यशाला के विशेषज्ञ वक्ता पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के डिप्टी लाइब्रेरियन डा.नीरज कुमार सिंह ने विभिन्न प्रकार की पत्रिकाओं, एससीआई, स्कोपस, यूजीसी जैसी पत्रिकाओं के सूचकांक के बारे में बताया। डा.पारुल गुप्ता ने कार्यशाला के उद्देश्यों पर जानकारी दी और बताया कि कार्यशाला में प्रदान जानकारी किस तरह से सभी प्रतिभागियों के शोध कार्यों में सुधार ला सकती है।

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

NAVBHARAT TIMES

कार्यशाला में 150 लोगों ने लिया भाग

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी में गुणात्मक शोध लेखन पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस वर्कशॉप का आयोजन यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग व पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी के संयुक्त तत्वाधान में हुआ। कार्यशाला का आयोजन शोधकर्ताओं के अनुसंधान कौशल व क्षमताओं में सुधार लाने उद्देश्य से किया गया। इसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इनमें स्टाफ सदस्य, पीएचडी स्कॉलर व यूनिवर्सिटी के एमटेक छात्र शामिल थे। कार्यशाला का उद्घाटन कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने किया।

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

AMAR UJALA

शोध लेखन पर कार्यशाला का आयोजन

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (विवि) के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग और पंडित दीन दयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों के लिए शोध लेखन पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें संकाय सदस्य, पीएचडी स्कोलर और विश्वविद्यालय के एमटेक विद्यार्थी शामिल रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि ज्ञान का विस्तार वैज्ञानिक अनुसंधान से ही संभव है। उन्होंने कार्यशाला आयोजन के लिए आयोजन समिति के प्रयासों की भी सराहना की। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 23.01.2021

THE PIONEER

साइंस एजुकेशन में भविष्य : डॉ. मंगला

फरीदाबाद। राजकीय महिला महाविद्यालय के विज्ञान संकाय द्वारा साइंस एजुकेशन एवं रोजगार विषय पर एकदिवसीय वेबिनार का आयोजन किया गया। जिसमें जेसी बोस वाइएससीए विश्वविद्यालय फरीदाबाद के रसायन विभाग की प्राध्यापिका डॉ. बिंदू मंगला ने राजकीय उच्च विद्यालय ओल्ड फरीदाबाद के 70 विद्यार्थियों को सांइस विषय में रोजगार के अवसरों से अवगत कराया। इस विभाग अध्यक्ष डॉ. नेहा अग्रवाल, डॉ. रूचिका सहगल, मोनिका, डा. वर्षा शर्मा, पूनम शर्मा, चंचल शर्मा और अनुज मौजूद रहे।